मुझपे रहम कर (4)

मुझपे रहम कर ऐ खुदा

है मेरी जान को तेरी पनाह (3)

मुझपे रहम

1. मैं तेरे परों के साए में लूंगा पनाह

जब तक न टल जाए

हर एक आपफत खुदा

घेरा है मुझको मेरे दुश्‍मनों ने यहां

वो मेरा खातिर पफलक से मदद भेजेगा

तेरा जलाल सारी ज़मीन पर हो

मुझपे रहम कर ऐ खुदा (2)....

2. तू जानता है खुदा मेरे, हूँ मैं कहाँ,

आतिश मिज़ाज और

शेरों के हूँ दरर्मियान

तलवार जैसी जुबान, दांत है बरर्छियां

तू अपनी रहमत और सच्‍चाई

करदे रवां

तेरा जलाल सारी ज़मीन पर हो

मुझपे रहम कर ऐ खुदा .... (2)

3. दिल अब है तेरा

तेरे गीत मैं गाऊँगा

अब सारी दुनियां को

ये बात बतलाऊँगा

तारीपफ तेरी करता रहूँ मैं सदा

रहमत और सच्‍चाई

तेरी बुलन्‍द हैे खुदा

तेरा जलाल सारी जमीन पर हो

मुझपे रहम कर ऐ खुदा .... (2)